ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

(भारत मौसम विज्ञान विभाग)

जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र, संगरिया

ग्रामोत्थान विद्यापीठ, संगरिया

जिला हनुमानगढ़ के लिए मौसम आधारित कृषि सलाह बुलेटिन

बुलेटिन नं. : 2022/46

☎01499-252702

मौसम पूर्वानुमान

kvksangariahmh@gmail.com

दिनांक : 10.06.2022 वैधता : 14.06.2022

गत सप्ताह का मौसम (03 जून 2022 से 09 जून 2022)

दिन का अधिकतम तापमान 44.1 से 46.1 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 22.7 से 30.2 डिग्री सेल्सियस रहा। सप्ताह के दौरान दिन में औसत 8.20 घंटे प्रतिदिन धूप खिली रही।

मौसम कारक	10.06.2022	11.06.2022	12.06.2022	13.06.2022	14.06.2022
वर्षा (मिलीलीटर)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (डिग्री से.)	45	44	44	44	44
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.)	31	31	31	31	31
आकाश में बादल की स्थिति	0	0	0	0	0
अधिकतम सापेक्ष आर्द्रता (प्रतिशत)	34	35	35	34	35
न्यूनतम सापेक्ष आर्द्रता (प्रतिशत)	7	8	11	13	14
हवा की गति किमी/घंटा	29	30	25	29	31
हवा की दिशा	पश्चिम दक्षिण पश्चिम	पश्चिम दक्षिण पश्चिम	पश्चिम	पश्चिम दक्षिण पश्चिम	पश्चिम दक्षिण पश्चिम
विशेष	आगामी दिनों में 14 जून तक मुख्यत: शुष्क मौसम का अनुमान है।				

मौसम पूर्वानुमान पर आधारित कृषि सलाह

मौसम सारांश		पूर्वानुमान के अनुसार, जिला हनुमानगढ़ में आगामी दिनों में 14 जून तक मुख्यत: शुष्क मौसम का अनुमान है। आने वाले दिनों में धूलभरी हवाओं का दौर जारी रहने की संभावना है। पांच दिनों मे अधिकतम तापमान 44.0 से 45.0 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 30.0 से 31.0 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। सापेक्ष आर्द्रता 07–35 प्रतिशत हो सकती है। हवा की औसत गति 25.0 से 31.0 किमी प्रति घंटे हो सकती है।
सामान्य सलाह		इस समय खेतों में कपास के पौधे अंकुरण से लेकर 3 से 4 सप्ताह के हो गए हैं। कपास के पत्तों पर लीफ माइनर जिसमें कीड़े टेडी मेडी सफेद नालियों जैसे लक्षण दिखाई पड़ते हैं। इसके साथ कहीं–कहीं थ्रिप्स के भी कुछ लक्षण दिखते हैं यह लक्षण स्वयः ही बदलते मौसम में ठीक हो जाते हैं। आरंभ के 50 से 60 दिन तक कीटनाशकों के छिड़काव न करने से पौधों पर पलने वाले मित्र कीटों को बढ़ावा मिलता है तथा वे हानिकारक कीटों से पौधों की रक्षा करते हैं। इसलिए किसान भाइयों को आरंभ के दिनों में कीटनाशक का छिड़काव नहीं करना चाहिए।
फसल	अवस्था	कृषि सलाह
बी.टी. कपास		बिजाई के 30–35 दिन बाद प्रथम सिंचाई करें। प्रथम सिंचाई के साथ 27.5 किलो यूरिया प्रति बीघा की दर से देवें। पहली सिंचाई के बाद आवश्यकता से अधिक पौधों की छंटनी करके अमेरिकन कपास में पौधो की दुरी 30 सेमी, बीटी कपास में 90 सेमी तथा देशी कपास में 25 से 30 सेंटीमीटर कर देनी चाहिए। प्रथम सिंचाई बाद बत्तर आने पर निराई–गुड़ाई करें।
मूंगफली	बुवाई	मूंगफली की बुवाई 15 जून तक कर सकते है। सिफारिश किस्में– टी.जी.37ए, एच.एन.जी.10, एच.एन.जी.69, एच.एन.जी.123 के प्रमाणित बीज की खरीद करें। बीजदर– 20 से 25 किग्रा प्रति बीघा रखें। कॉलर रोट (संधि विगलन) एवं जड़ गलन रोगो की रोकथाम के लिए कार्बेन्डिजिम 50 डब्ल्यूपी 2 ग्राम या कार्बोक्सिन 37.5 + थाइरम 37.5 की 2 ग्राम या टेबुकोनाजोल (2 प्रतिशत डी एस) 1.5 ग्राम या प्रोपिकोनाजोल 25 ई सी को 2 मिली प्रति किलो बीज की दर से बीजोपचार करें। मूंगफली में 5 किलो नत्रजन और 8 किलो फास्फोरस (11 किलो यूरिया और 50 किलो सिंगल

		सुपर फॉस्फेट) प्रति बीघा हिसाब से खेत में बुवाई से पूर्व दें। 50 किलो जिप्सम प्रति बीघा बुवाई के समय ड्रिल करना लाभदायक है। रेतीली भूमि में 10 किलो नत्रजन एवं 15 किलो फॉस्फोरस प्रति बीघा दें। रेतीली मृदाओं में जहाँ मूंगफली में भूरट खरपतवार की समस्या हो, वहां पेंडीमेथालिन (30 ई सी) की 175 ग्राम मात्रा का प्रयोग बुवाई के दो दिन बाद तथा पुनः 6 सप्ताह बाद सिंचाई के तुरंत बाद छिड़काव कर दे।
धान	नर्सरी	आवश्यकता होने पर 15 दिन बाद नर्सरी में यूरिया 2 किग्रा टॉप ड्रेसिंग विधि से छिड़के। डाईमिथाएट 3 मिली के साथ जाइनेब 10 ग्राम को 3 लीटर पानी में मिलाकर प्रति बीघा की नर्सरी पर बुवाई के 15 दिन बाद छिड़के।
धान	सीधी बुवाई	जून का पहला पखवाड़ा (1 से 15 जून) सीधी बिजाई के लिए अनुकूल है। सीधी बिजाई के लिए कम अवधि में तैयार होने वाली किस्मो का चयन करें। जमीन तैयार करके तरबतर खेत में बिजाई करें। बिजाई के लिए 8 से 10 किलो प्रति एकड़ के हिसाब से बीज डालें। पहला पानी बिजाई के 21 दिन बाद लगाएं। खरपतवार नाशी का छिड़काव अच्छी नमी में करें।
ग्वार		ग्वार की समय पर बुवाई के लिए किसान भाई सिफारिश किस्मों– एच जी 2 –20, एच जी–365, आर जी सी –1002, आर जी सी–1066, आर जी सी 936, आर जी सी 986 के प्रमाणित बीज की खरीद करें। फसल में जड़ गलन की रोकथाम के लिए ट्राइकोडर्मा विरडी/हरजेनियम 2.5 किग्रा को 100 किग्रा गोबर की खाद/हेक्टेयर की दर से उपयोग से 15 दिन पहले भिगोकर छाया में रख दे।
जायद मूंग		जायद मूंग में पत्ती कुतरने वाले कीट की रोकथाम के लिए ट्राइजोफॉस 40 ई सी का 2 मिली प्रति लीटर पानी या नीम के सत का 5 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें।
ज्वार		शूट फ्लाई की रोकथाम हेतु मैलाथियान 50 ई सी 2–3 मिली प्रति लीटर पानी में या फोरेट 10 जी 5 किग्रा प्रति बीघा की दर से उपयोग करें। कीटनाशक इस्तेमाल के 10–15 दिन तक चारा उपयोग में न ले।
मिट्टी परीक्षण		मिट्टी जांच से हमें मिट्टी की उपजाऊ शक्ति, जमीन का खारापन, अम्लीयता के बारे में पता चलता है। इसके अलावा मिट्टी जाँच से हमे जैविक कार्बन और जमीन में फसल उत्पादन के लिए जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा और फसल से पूरा उत्पादन लेने के लिए कितनी और खाद देने की जरूरत है, इसका पता चलता है।
पपीता	नर्सरी	पपीता की नर्सरी लगाने का उचित समय है। एक हेक्टर में पौधों के लिए 250 ग्राम बीज का उपयोग करे। हनी डेव, कुर्ग हनी डेव, पूसा स्वादिष्ट, पूसा नन्हा, आदि पपीते की उनन्त किस्में है।
सब्जी	कीट प्रबंधन	बेल वाली सब्जियों में विषाणु बीमारी से फूल और फल का आकार बिगड़ जाता है। प्रभावित पौधो को उखाड़ दे और जलाएं और डाइमेथोएट 30 मिली 1.0 मिली प्रति लीटर पानी का घोल बनाकर छिड़काव करे। भिंडी की फसल में तुड़ाई के बाद यूरिया 5–10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से डालें तथा माइट कीट की निरंतर निगरानी करते रहे। अधिक कीट पाये जाने पर ईथिओन 1.5–2.0 मिलीलीटर/लीटर पानी की दर से छिड़काव करें। भिंडी की फसल में हल्की सिंचाई कम अंतराल पर करें।

किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे मौसम की दैनिक अपडेट के लिए अपने मोबाइल में मेघदूत और आकाशीय बिजली के अलर्ट हेतु दामिनी एप्लिकेशन डाउनलोड करें।

स्रोत :– मौसम पूर्वानुमान – क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर

तकनीकी अधिकारी
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

डॉ. अनुप कुमार
नोडल अधिकारी
(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

Save Water, Save Environment, Save Earth